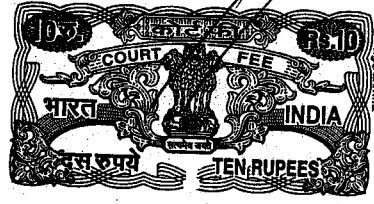
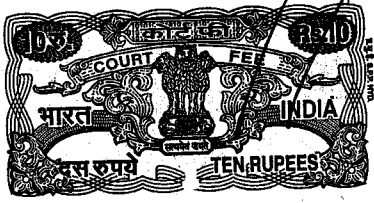


470

न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल ग्वालियर, म०प्र०, कैम्प रीवा



R-2806-5/12

क्रमांक 2210
यजिस्ट्रॉ बॉस्ट द्वारा आज
दिनांक को प्राप्त
कॉर्ट ऑफ कॉर्ट
राजस्व मण्डल का.प्र. ग्वालियर

- 1- रामकृष्ण चतुर्वेदी
- 2- रामानन्द चतुर्वेदी
- 3- प्रेम शंकर चतुर्वेदी
- 4- बलदाऊ चतुर्वेदी
- 5- रमाशंकर चतुर्वेदी
- 6- निवराजा देवी पत्नी राम प्रताप बा.

सभी निवासी ग्राम बरेठी कला, तहसील त्पेथर, जिलारीवा, म०प्र०,

निगरानी कर्ता

बनाम

ओंकारनाथ तनय केदारनाथ गुप्ता, निवासी ग्राम बरेठी कला, तहसील त्पेथर, जिला रीवा, म०प्र०, हाल निवास ग्राम खीरी, तहसील कोरांव जिला झलहाबाद उ.प्र.-

गैरनिगरानी कर्ता

अधिवक्ता श्री मोहन लाल
खिवाड़ी द्वारा उपलब्ध
रीवा, दि० 3-08-2012

निगरानी विरुद्ध आदेश अपर कलेक्टर रीवा के प्रकरण क्र. 437/अ-12/2010-11, आदेश दिनांक 27.7.2012,

3.8.12

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र० भू राजस्व संहिता 1959 ई. 1

मान्यवर,

निगरानी के संबंधित तथ्य निम्न है:-

भूमि आराजी क्रमांक 35/5, 35/6, 35/7, 35/8, 35/9 को निगरानी कर्ता गणों ने आवश्यकता की वजह से अतार् पूर्व रामरक्षा बा. को जरिसे


98

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक R-2806-II/12 जिला रीवा

रामकृष्ण चतुर्वेदी/ओंकार नाथ गुप्ता

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
29/9/15	<p>1. प्रकरण का अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर कमिश्नर, रीवा के प्रकरण क्रमांक 437/अ-12/10-11 में पारित आदेश दिनांक 27.07.12 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता की धारा-50 के अधीन प्रस्तुत की गई है। जिसमें मूल बिन्दु यह है कि तहसीलदार त्योंथर के समक्ष भूमि नं0 35 के सीमांकन के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। सीमांकन के मामले में पक्षकारों की भूमि के सीमा का विवाद निर्धारित होता है। तहसीलदार ने दिनांक 30.05.2011 को सीमांकन की कार्यवाही को सही मानकर उसकी पुष्टि किया है।</p> <p>2. अपर कलेक्टर ने प्रश्नाधीन आदेश में यही निर्धारित किया है कि सीमांकन की कार्यवाही को जो पुष्ट किया गया है, उसमें अनियमितता नहीं है। निगरानीकर्ता का मूल बिन्दु यह है कि सीमांकन की कार्यवाही में निगरानीकर्ता को सूचना नहीं दी गई है। धारा-129 के अधीन यह व्यवस्था है कि हितधारी व्यक्ति अपनी भूमि का सीमांकन करा सकता है। ऐसी स्थिति में निगरानीकर्ता को उसके भूमि का सीमांकन कराने की अधिकारिता है। जहाँ तक निगरानीकार को सीमांकन कार्यवाही में सूचना नहीं देने का प्रश्न है। तत्संबंध में अपर कलेक्टर द्वारा यह निष्कर्ष निकाला गया है कि निगरानीकर्तागण मौके पर सीमांकन के समय उपस्थित थे किन्तु पंचनामा में हस्ताक्षर नहीं किये हैं तथा उनके द्वारा प्रस्तुत आपत्ति की भी विधिवत निराकृत कर सीमांकन की पुष्टि की गई है।</p> <p>3. उपरोक्त आपत्ति के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय के प्रश्नाधीन आदेश को निरस्त करने^अ प्रथम दृष्टया कोई आधार नहीं है। फलतः यह निगरानी इसी प्रकम पर निरस्त की जाती है।</p> <p>आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजी जाय। तत्पश्चात् प्रकरण अभिलेखागार भेजा जाय। यह प्रकरण दायरा पंजी से कम किया जाय।</p>	<p style="text-align: right;"> सदस्य</p>

M